



Tilok Chand Birla

14 Apr 1979

Model: Numerology-Report

Order No: 121052601

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121052601

Date: 26/01/2026

नाम	Tilok Chand Birla
जन्म तिथि	14/04/1979
मूलांक	5
भाग्यांक	8
नामांक	8
मूलांक स्वामी	बुध
भाग्यांक स्वामी	शनि
नामांक स्वामी	शनि
मित्र अंक	3, 9, 8
शत्रु अंक	2, 4
सम अंक	1, 6, 7,
मुख्य वर्ष	1994,2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	गुरु, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, मई, सित
शुभ तारीख	5, 14, 23
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना,बिलौर,मरगज
अनुकूल देव	लक्ष्मीनारायण
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	हरित
मंत्र	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रीं सः वृहस्पतये नमः
शुभ यंत्र	गुरु यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

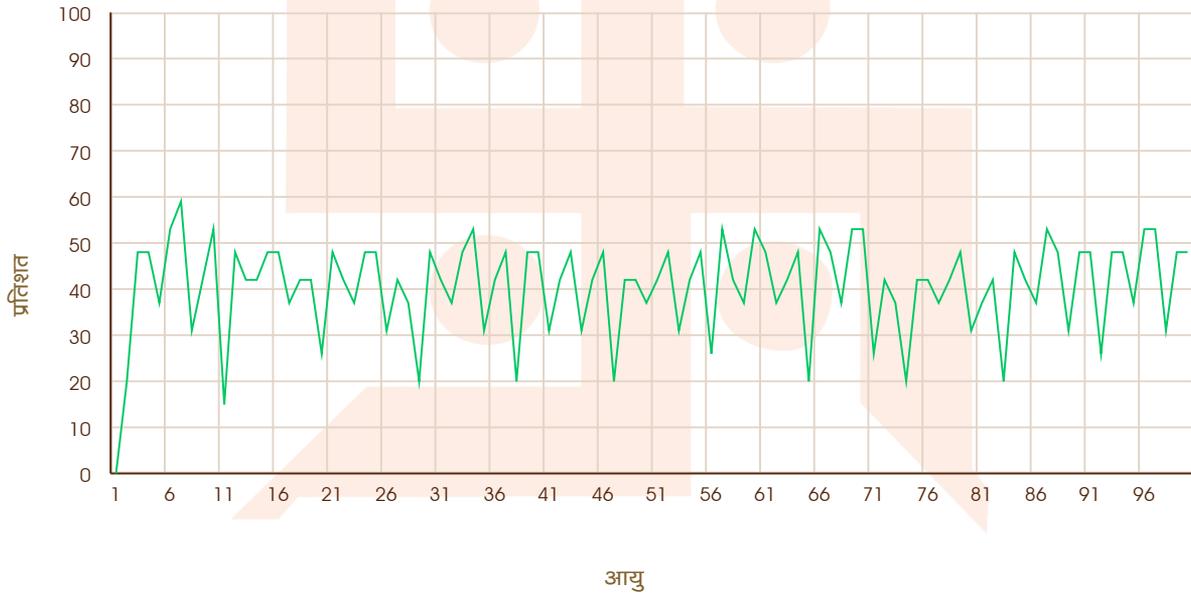
Ankijotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1994,2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057

शुभ आयु 15,24,33,42,51,60,69,78

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएँ विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

आपका मूलांक 5 है तथा आपका भाग्यांक 8 है। मूलांक 5 का स्वामी बुध है तथा भाग्यांक 8 का स्वामी शनि है। मूलांक 5 और भाग्यांक 8 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक दोनों के ही ठीक-ठीक प्रभाव प्राप्त होंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप अपनी मेहनत से धीरे-धीरे सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ते हुए उन्नति प्राप्त करेंगे। धन संग्रह करने में आपको काफी मेहनत एवं बुद्धि का उपयोग करना पड़ेगा। तभी आप वांछित धन एकत्रित करने में सफल होंगे। आपका भाग्योदय देर से, धीरे-धीरे, लेकिन स्थायी होगा। आप जीवन में जो भी कार्य करेंगे, उनमें रुकावट अवश्य आएंगी। आपके

कार्यक्षेत्र में सबसे बड़ी बाधा आपका आलस्य रहेगा। यदि आप किसी भी कार्य को कल पर नहीं टालेंगे, तो सफलता आपके नजदीक रहेगी। श्रम शक्ति तथा कूटनीति के द्वारा आप जो भी कार्य सिद्ध करना चाहेंगे, उसमें सफल रहेंगे। युवा एवं मध्य अवस्था की अपेक्षा अंतिम अवस्था में आपके पास अच्छी धन-संपत्ति एकत्रित होगी। आपकी सामाजिक मान-प्रतिष्ठा उच्च कोटी की रहेगी तथा समाज में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में जाने जाएंगे।

आपका भाग्योदय 26 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 35 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 44 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 5 की 3 एवं 9 से मित्रता है तथा भाग्यांक 8 की 1 एवं 4 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 5, 8, 9 के अंक विशेष घटना वाले रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, मई, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 5 एवं भाग्यांक 8 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 3, 4, 5, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 5, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76
- 5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68, 77
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Tilok Chand Birla
4+1+3+7+2 3+5+1+5+4 2+1+2+3+1
नाम का योग : 44 नामांक : 8

आपके नाम का कुल योग चत्वारिस बना है। चार एवं चार के योग से आठ आपका नामांक बनता है। अंक चार का स्वामी हर्षल ग्रह है। नामांक आठ का स्वामी शनि ग्रह है। शनि प्रभाव से आपका नाम जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेगा एवं आप स्थिर सफलता की ओर अग्रसर होते रहेंगे। आलस्य आपका शत्रु रहेगा। शनि ग्रह के प्रभाव से आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगे। आपकी कार्य शैली को हर कोई समझ नहीं पाएगा। आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति न होने के कारण आप कठोर समझे जायेंगे। लेकिन अन्दर से आप बहुत दयालु प्रवृत्ति के होंगे। आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक मात्रा में रहेगी। शनि प्रभाव से आप संघर्षशील एवं परिश्रमी होंगे। आपको सफलता देर से मिलेगी लेकिन स्थायी प्राप्त होगी। जीवन के उत्तरार्ध में आपका नाम काफी ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा।

आपके नाम का नामांक 8 है। यही आपका भाग्यांक भी है। इन दोनों के आपके मूलांक 5 से सम संबंध हैं। इनके संयुक्त प्रभाववश आपको अपने जीवन में भाग्यांक के प्रभाव का पूर्ण फल प्राप्त होगा। जिससे आपका नाम समाज के विभिन्न वर्गों में लोकप्रिय होगा। आपके कार्य क्षेत्र में आपके भाग्यांक के प्रभाववश आपका नाम उच्चता को प्राप्त करेगा। मित्रों सम्बंधियों में आप एक ख्याति प्राप्त व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में सफल होंगे। आपके कार्य क्षेत्र में आपका नाम सम्मान के साथ याद किया जाएगा और एक लम्बे समय तक अपनी पहचान बनाये रखेगा। मूलांक से सम संबंध होने के कारण आपको भाग्य का सहारा मध्यम श्रेणी का प्राप्त होगा। अतः आप अपनी मेहनत के द्वारा अपना नाम स्थापित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

आपके नामांक का आपके मूलांक 5 से मिलान ठीक नहीं है, लेकिन भाग्यांक 8 से मिलान हो रहा है। मूलांक से मिलान न होने के कारण आपका नाम पूर्णतः सफल नहीं हो सकेगा और जीवन में संघर्ष, अवनति आदि की वृद्धि करेगा। आप अपने नाम का पूर्ण शुभ फल पाने हेतु अपने नाम को नामांक से भी मिलान करना अच्छा रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से मिलान करे तथा उसका नामांक 5 आता हो और 2 न हो तो ऐसा नाम आपको अच्छी सांसारिक सफलताएं देगा। नाम परिवर्तन

हेतु आपके लिए 1,9,8 अंक शुभ रहेंगे तथा 6,3,4 अंक अशुभ रहेंगे ।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

4 4 4	9 9 9	2
	5 5	7 7
8 8	1 1 1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित

और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 2 का अंक अनुपस्थित है, अतः आप में अंतर्ज्ञान व सूक्ष्म चेतना का अभाव होता है, आप अपनी बात आत्मविश्वास से नहीं कह पाते। फलस्वरूप आप अपनी निश्चल व शांत अंतरात्मा की आवाज को न मानकर कई गलतियां करेंगे, आप अधीर और समय के पाबंद नहीं होते। ऐसे जातकों में अपनी गलती मान लेने की बजाय अपने कार्य को सही ठहराने की प्रवृत्ति होती है, आपमें संवेदनशीलता नहीं होती है, और दूसरों की मदद नहीं कर पाते हैं, आपमें पूर्वाभास अंतर्ज्ञान शक्ति की कमी रहती है। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप दूसरों की भावनाओं की कदर भी नहीं करते हैं। आप अपने मन की बात न सुनकर छोटी-छोटी गलतियां करते रहते हैं, आत्म विश्वासहीनता व दूसरों पर विश्वास की कमी जैसी विशिष्टताओं से पीड़ित रहते हैं, आपको अपने मन पर काबू रखना चाहिए। दूसरों की भावनाओं की कदर करनी चाहिए, और अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे जातकों को चाहिए कि जीवन में समता हासिल करना सीखें।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप अनात्मवादी व पदार्थवादी उद्योगों में दूसरे क्रिया-कलापों की अपेक्षा अधिक रुचि लेते हो। अपने प्रबंधन चातुर्य के कारण आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करते हो, उसे पूर्ण करके ही छोड़ते हो भले ही वह कार्य कितना भी मुसकिल क्यों न हो। आप व्यवस्थित, शुद्धमति व यथार्थवादी हैं और आप में रचनात्मक क्षमता

है। हस्तकौशल में प्रवीणता के चलते नयनाभिराम वस्तुएं बनाना पसंद करते हैं। आप बुद्धिपरक, गणनात्मक, विश्लेषणात्मक, और वाणी प्रधान कार्यों में सफलता पाते हो। आपकी बौद्धिक क्षमता अच्छी होती है, जिससे कि आप अच्छे और बुरे में फर्क कर पाने में सफल होते हैं, आप अपने जीवन में अच्छे वक्ता, कवि और शिक्षक बनते हैं चित्रकला में निपुण होते हैं। आपको आलस्य से नफरत होती है, आपके काम पूर्ण रूप से व्यवस्थित एवं रचनात्मक होते हैं, आपको सौंपा गया कोई भी कार्य समय से पूरा होता है।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपुण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप

अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य ढूंढते हैं। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान मेल-जोल रखें।

संकल्प-शक्ति के अंक - 1. 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1. 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निधरित लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही

जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रुपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमान भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्त्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी

सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

बुध दिनांक 22 मई से 21 जून एवं 24 अगस्त से 23 सितंबर तक, पाश्चात्य मत से, सूर्य मिथुन एवं कन्या राशि में रहता है तथा भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक सूर्य मिथुन तथा कन्या राशि में रहता है। मिथुन बुध की स्वराशि तथा कन्या उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक पांच के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार के दिन आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार व्यापार संबंधी कार्य प्रारंभ करें तो यह आपके लिए अच्छा रहेगा। इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी हों तो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होगा।

शुभ तारीखें

अंग्रेजी के किसी भी माह की 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखें आपके लिए कोई कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगी। इन तारीखों में आपके लिए अपना कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उच्च अधिकारी या किसी विशिष्ट व्यक्ति से मिलना, पत्र लेखन इत्यादि विशेष लाभप्रद रहेगा।

अशुभ तारीखें

अंग्रेजी माह की 2, 4, 11, 13, 20, 22, 29 एवं 31 तारीखों में किसी भी प्रकार का व्यापार संबंधी कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, अथवा पत्र व्यवहार संबंधी कार्य करना आपके लिए प्रतिकूल है। अतः आप इन तिथियों में कोई भी शुभ कार्य संपन्न न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखों अथवा 15 जून से 15 जुलाई एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के मध्य हुआ है, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा ये लोग रोजगार-व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपके सफल मित्र साबित होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

कोई भी महिला जिसका मूलांक 3, 5, 9 होता है तथा जिसका जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 दिनांको में हुआ हो वे आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगी तथा इन महिलाओं से आप स्नेहपूर्ण संबंध रख सकते हैं।

अनुकूल रंग

मूलांक के अनुसार आपके लिए हल्का खाकी, सफेद चमकीला उज्ज्वल रंग उत्तम रहेंगे। अतः ये आपके स्वास्थ्य आदि के लिए ठीक रहेंगे। हो सके तो आप इन रंगों का रुमाल हर समय अपने साथ रखें और यदि आप अपने ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग का पसंद करेंगे तो और भी अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उपयुक्त दिशा उत्तर है। इसलिए आपके लिए ऐसा मकान या फ्लैट शुभ रहेगा जिसका मूलांक तथा नामांक 5 हो। उत्तर दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। आप अपने घर की बैठक उत्तर दिशा में ही करें एवं घर के फर्नीचर आदि का रंग खाकी, सफेद चमकीला होना चाहिए, जो आपके लिए अच्छे फल देने वाले होंगे।

शुभ वाहन नं

अगर आप स्वयं का वाहन खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपको पहले अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंकों के अनुसार पंजीकरण क्रमांक लेना हितकर रहेगा। आपका मूलांक 5 है एवं मित्रांक 3 एवं 9 हैं। अतः आपके लिए शुभ पंजीकरण क्रमांक 5234 = 5 आदि होना चाहिए। आपके वाहन का नंबर 104 = 5 इत्यादि हो तभी आपके लिए यह शुभ फलदायक रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तथा आप चर्म रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक चिंता, दुर्बलता, शारीरिक कमजोरी तथा मानसिक दुर्बलता से ग्रसित हो जाते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय विष्णु की पूजा, पूर्णिमा का व्रत कर के, केले का प्रसाद लें।

व्यवसाय

तार और टेलीफोन विभाग, ज्योतिष, सेल्समैन, डाकघर, पोस्टमैन, बीमा विभाग, बैंकिंग, बजट निर्माण, रेलवे इंजीनियरी, संपादक, तंबाकू व्यवसाय, रेडियो व्यवसाय, लेखक, पत्रकार, अनुवादक, राजनीति संबंधी कार्य, मुद्रणालय, संचार व्यवस्था, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालय, लाइब्रेरियन, यातायात संबंधी कार्य, इतिहास, खोज एवं पुरातत्व विभाग, आविष्कारक, मुनीम, पर्यटक एवं बुद्धि बल के समस्त कार्य।

व्रतोपवास

बुधवार को बुध अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। पैतालीस या सत्रह बुधवारों को यह व्रत करें। हरे रंग के कपड़े पहनें एवं हरे पदार्थों का दान करें। तुलसी के पत्ते खाना एवं चढ़ाना लाभप्रद रहता है। पन्ना या मरगज की माला पर बुध मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए पन्ना शुभ रत्न है। उसके न मिलने पर उपरत्न मरगज, ओनेक्स, ग्रीन पेरनीडाट धारण करें। इसे आप सोने या चांदी में तीन से छह रत्ती में बनवा कर, बुधवार के दिन, शुक्ल पक्ष में दायें हाथ की कनिष्ठा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बुध ग्रह की उपासना करें भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना करें। भगवान लक्ष्मी नारायण के चतुर्दशाक्षरी मंत्र “ओम् ह्रीं ह्रीं श्री श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नमः” का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगी तो आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगी। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान लक्ष्मी नारायण के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए बुध के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु बुध के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

बुध गायत्री मंत्र - ॐ सौम्यरूपाय विद्महे बाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप बुध का ध्यान करें, मन में बुध की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ बुध को अनुकूल बनाने हेतु बुध के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान नब्बे माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ब्रौं ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ जप संख्या 9000 ॥

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन विधारा की एक इंच लंबी जड़ ला कर, हरे धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या सोने या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे बुधवार के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, गोमय, चावल, गोरोचन, स्वर्ण, आंवला और मधु आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ बुध के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए कूट्ट, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

बुध की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को बुध के पदार्थ कांसी, हाथी दांत, हरा वस्त्र, मूंगा, पन्ना, सुवर्ण, कपूर, शास्त्रा, पफल, षट्सा भोजन, घृत, सर्व पुष्प आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

बुध को अनुकूल बनाए रखने हेतु बुध यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, बुधवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।